विद्यार्थी परिषद्

केन्द्रीय विद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार विद्यालय में प्रत्येक वर्ष विद्यार्थी परिषद् का गठन किया जाता है । विद्यार्थी परिषद् में विद्यालय स्तर पर कप्तान, उपकप्तान खेलकूद कप्तान का चुनाव किया जाता है साथ ही चारों सदनों (शिवाजी, टैगोर, अशोक और रमण सदन) के कप्तान, उपकप्तान, पाठ्य सहगामी कप्तान, उपकप्तान, खेलकूद कप्तान, उपकप्तान, प्रकाशन कप्तान, उपकप्तान और छात्र नायक का भी चयन किया जाता है । विद्यार्थी परिषद् में कुल 64 सदस्य होते हैं जो विद्यालय अनुशासन समिति का पूर्ण सहयोग करते हैं विद्यालय में सदनवार प्रार्थना सभा कार्यक्रम संपन्न होता है और जिस सदन का सप्ताह चल रहा होता है वह पूरे सप्ताह विद्यालय के अनुशासन में पूर्ण सहयोग एवं देख-रेख भी करता है ।

विद्यार्थी परिषद् के गठन के पश्चात जुलाई माह में विधिवत अधिष्ठापन समारोह का आयोजन किया जाता है । विद्यालय के प्राचार्य सभी विद्यार्थियों को कर्तव्य निष्ठां की शपथ दिलाते हैं और बैज प्रदान करते हैं साथ ही उनसे कर्तव्य निष्ठां एवं जिम्मेदारी संबधी विन्दुओ का वाचन भी करवाया जाता है ।

सप्ताह में दो दिन बुधवार और शुक्रवार को सभी विद्यार्थी अपने -अपने सदन के अनुसार निर्धारित गणवेश में आते हैं और प्रार्थना सभा में सदनवार पंक्तिबद्ध होकर प्रार्थना कार्यक्रम में शामिल होते हैं । पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों में भी विद्यार्थी सदनवार वेशभूषा में भाग लेते हैं ।

प्रत्येक शनिवार को विद्यार्थी परिषद् के नेतृत्व एवं देखरेख में पाठ्य सहगामी कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है । सभी विद्यार्थी सदंनवार प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं और अपने-अपने सदन को आगे ले जाने हेतु अथक प्रयास करते हैं । विद्यार्थियों की मेधा एवं प्रतिभा का प्रदर्शन तथा सदनवार पोशाक सभी के ध्यानाकर्षण का केंद्र होता है ।